AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

छात्रों ने सीखीं कला की बारीकियां

आर्ट्स कॉलेज में स्थापना दिवस समारोह का दूसरा दिन

प्रशिक्षण सत्र में शामिल छात्र-छात्राएं। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिल्प एवं कला महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला के दूसरे दिन शनिवार को शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ चित्रकार उमेश कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों को पेंटिंग डिमांस्ट्रेशन की विधियों के बारे में बताया, ताकि उनकी कलात्मक कृतियों में निखार आ सके।

उन्होंने विद्यार्थियों को रेखा तथा संयोजन पर विशेष रूप से ध्यान देने का सुझाव दिया। वहीं, मो. सुहैब अंसारी व डॉ. महेश कुमार सिंह ने मूर्तिकला और पेंटिंग समेत ललितकला की तमाम बारीकियां समझाईं। इस मौके पर राहुल शाक्य ने छात्रों के मोटर साइकिल के अवशेषों से बनाएं मॉडल की सराहना की।

छात्रों की ओर लगाई गई म्यूरल, वॉल पेंटिंग व टेक्सटाइल डिजाइन की कृतियों की प्रदर्शनी ने सभी का मन मोह लिया। रविवार को स्थापना दिवस समारोह के समापन अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. रतन कुमार, प्रो. आलोक कुशवाहा व डॉ. अतुल हुड्डू समेत शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

NBT PAGE 8

पेपर की कतरनों से बनाई मोनालीजा की तस्वीर

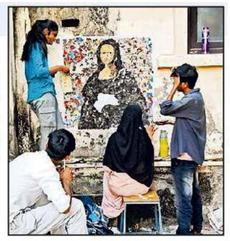

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन स्टूडेंट्स ने कागज के कतरों से मोनालीजा और मशहूर पेंटर साल्वाडोर डाली की तस्वीर दीवार पर बनाकर कला प्रेमियों से खूब वाहवाही बंटोरी। हर कोई इन आकर्षक आर्ट को देखकर खुद को तारीफ करने से रोक नहीं सका। इस बीच स्टूडेंट्स ने खराब सामानों से भी कई कलाकृतियां तैयार कीं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ चित्रकार आचार्य उमेश कुमार सक्सेना ने छात्र-छात्राओं को पेंटिंग डिमॉन्स्ट्रेशन दिया। वहीं मो. सुहैब अंसारी के कैलीग्राफी डिमॉन्स्ट्रेशन को भी स्टूडेंट्स ने देखा। इस दौरान डॉ. महेश सिंह ने स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब दिए। कार्यक्रम में म्यूरल पेंटिंग प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं मोटर साइकल के अवशेषों से निर्मित इंस्टालेशन की सराहना भी लोगों ने खूब की। इसके अलावा मिनोथ मदुशंका के चित्रों, छात्रा संजु बब्बुल लाल के व्यवसायिक कला के डिजाइन, मनीष कुमार के छाया चित्रों को भी सराहा गया।

गुजरात के छात्रों ने LU में किया शैक्षणिक भ्रमण

■ एनबीटी सं, लखनऊ : गुजरात के आणंद स्थित एनएस पटेल डिग्री कॉलेज के समाज कार्य विभाग के स्टूडेंट्स ने शनिवार को एलयू में शैक्षणिक भ्रमण किया। इस बीच एलयू के समाज कार्य विभाग के एचओडी प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने स्टूडेंट्स के साथ समाज कार्य विभाग, टैगोर पुस्तकालय समेत कई स्थानों का दौरा किया। मौके पर प्रो.अनूप कुमार ने देश में एक समाज कार्यकर्ता के बढ़ते दायित्वों पर चर्चा की। डॉ.अश्विन पटेल के साथ स्टूडेंट्स लखनऊ के ऐतिहासिक स्थानों का भी भ्रमण करेंगे। मौके पर प्रो.राज कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 8

प्रो. मुकुल श्रीवास्तव बने एडिशनल डीन

लखनऊ। एलयू की अकादमिक सेल में तीन शिक्षकों को नियुक्त किया गया है। इसमें प्रो. मुकुल श्रीवास्तव और प्रो. अलका मिश्रा को अतिरिक्त अधिष्ठाता के तौर पर तैनाती दी गई है। वहीं डॉ. निमीषा कपूर को सहायक अधिष्ठाता अकादमिक सेल बनाया गया है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में मोनोजीनिया सिंपोजियम आज से

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का जंतु विज्ञान विभाग भारतीय हेल्मिंथोलाजिकल सोसायटी के सहयोग से रविवार को चार दिवसीय नवें अंतरराष्ट्रीय मोनोजीनिया सिंपोजियम-2023 का आयोजन करेगा। एपी सेन हाल में सुबह 10 बजे इसका उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय करेंगे। आठ से 11 अक्टूबर तक मोनोजीनिया परजीवी पर होने वाले इस सम्मेलन में भारत, आस्ट्रिया, आस्ट्रेलिया, चेक रिपब्लिक, फ्रांस, साउथ अफ्रीका, ब्राजील, ब्रिटेन, स्पेन, चीन सहित 18 देशों के 65 से अधिक शोधार्थी, प्रोफेसर और वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे।

क्या है मोनोजीनिया : मोनोजीनिया एक पैरासिटिक फ्लैटवर्म हैं, जिनका जलजीवों के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, खासकर मछलियों। यह मोनोजीनिया परजीवी मछलियों को नुकसान पहुंचाते हैं।

अवार्ड पाकर शिक्षाविद बोले, और अच्छा करने की प्रेरणा मिली है

लवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार

समारोह के सह आयोजक

बीरबल साहनी पेलियोसाइंस यूनिवर्सिटी, लूलू माल, एसिडिअन पब्लिसर्स, डाल्टिस इन

आरुषी को स्वाती स्कूल, बीरबल साहनी पेलियोसाइंस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. सुनील नारायण सिंह, पीजी थ्रोन्स के प्रवक्ता डॉ. विनोद बंधा को बेस्ट पेपर एवार्डीस, शालिका विद्यालय इंटर कालेज मोतीनगर की प्रिंसिपल डा. लीना मिश्रा को उत्कृष्टता, बिरला ओपन माइंडस इंटरनेशनल स्कूल फैजाबाद रोड के मैनेजिंग डायरेक्टर राम शंकर उर्मी को क्वालिटी स्कूल, स्टेला मेरीज की प्रिंसिपल वीरेंद्र प्रताप सिंह को क्वालिटी स्कूल का प्रवर्तक चिन्ह। एकुरूट लर्निंग डिजिटल मार्केटिंग इन्टीट्यूट के संस्थापक मानस सिंघ, रक्त संस्थापक अजित पाल, पालना को आर्थिक हाई रटेड इन्वेस्टमेंट अवार्ड, हैन्सवान हुए आफ इन्टीट्यूशंस के हाइड रोजर्स मेमिक्स सिंह बाबिता, मेगसिंग डायरेक्टर समथ सिंह बबिता को एप्पवरिंग स्टूडेंट्स टू बीकम स्काइलर्स अवार्ड, महामि यूनिवर्सिटी आफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी के वाइस चान्सलर डा. भानु प्रकाश सिंह को जगद्गुरु दीन दयालु उपाध्याय इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी के वाइस चान्सलर डा.स्याम अस्थाना को बेस्ट वाइस एजुकेशन अवार्ड, माया एजेंसी फार एजुकेशन डिफेंटिवीटी के डायरेक्टर रमन शर्मा और डायरेक्टर चाचा ओझा को फार इनोवेटिव ट्रेनिंग, नेशनल पीजी कालेज की वनस्पतिज्ञानी व असिस्टेंट प्रोफेसर डा. नेहमी सीवस्तवा को इनोवेटिव कंडासलर, पाराशिव महेसरी स्कूल के प्रबन्धक डा. ऊर्ध्व सिंह को प्रवाह इन एजुकेशन, रजनीश बालिका इंटर कालेज प्रिंसिपल रजनीश बालिका इंटर कालेज प्रिंसिपलसन्तरा की प्रिंसिपल कुसुम वर्मा को फार इनोवेटिव टीचिंग, सेंट एन्ज्रास जयपुरिया स्कूल कानपुर रोड कैम्पस के वेंचरमैन शिव शंकर तिवारी, वाहिद तिवारी को रत्नले पत्रकारिता प्रविभा और उच्च डायमिक स्कूल गोमतीनगर की प्रधानाचार्या नीलू यादव को इनोवेटिव टीचिंग का अवार्ड दिया गया।

i-NEXT PAGE 6

एलयू में मॉनोजीनिया सिंपोजियम

9वां अंतरराष्ट्रीय मॉनोजीनिया सिंपोजियम 11 अक्टूबर तक

LUCKNOW (7 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी के जूलॉजी डिपार्टमेंट, भारतीय हेल्मिंथोलॉजिकल सोसायटी के सहयोग से मॉनोजीनिया पर नवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन परिसर में शुरू हो रहा है. यह कार्यक्रम 11 अक्टूबर तक चलेगा. कार्यक्रम में 30 से अधिक विदेशी छात्र भाग लेंगे. इस कार्यक्रम में सामाजिक संक्रमणीय कार्यक्रम के साथ चलता क्रिक भी शामिल है. वहीं, कार्यक्रम में शामिल होने वाले एडिमेंट्स को अगस्त के अंत महान का तीन करवा जाएगा.

विदेश से आएंगे एक्सपर्ट

आईएसएम मॉनोजीनिया जैसे एक विशिष्ट पैरासाइट समूह पर काम कर रहे प्रसिद्ध पैरासिटोलॉजी प्रोफेसर, रिसर्चर, और छात्रों का सबसे महत्वपूर्ण विश्व सम्मेलन है. पहला सम्मेलन 1888 में चेकोस्लोवाकिया में हुआ था. पहली बार सम्मेलन को भारतीय उपमहाद्वीप पर आयोजित किया जा रहा है.

कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. लखनऊ में होने वाले इस कार्यक्रम में 64 प्रतिनिधियों से 30 देशों के 50 ओरल प्रस्तावनाएं, 34 पोस्टर प्रस्तावनाओं का आयोजन होगा. इस मौके पर प्रोफेसर के प्रोफेसर कुलं चुधरीर, प्रोफेसर के प्रोफेसर बीन लु जीएन, चेक रनालय की प्रोफेसर डिलकोवा, रोमानिया आयोजक के प्रोफेसर लहाल डु होन सीन प्रोफेसर इब रिडिलोव भाग लेंगी. पद्मश्री पुरस्कारी, प्रोफेसर बीच टोडा, प्रोफेसर सुदिप्तम लाहोरी (अलीपुर मुलिलय यूनिवर्सिटी), प्रोफेसर मुखर्जी चौरि (पंजाब यूनिवर्सिटी) और डॉ. टाक मलाक (आईसीएआर-इनवीएनसीआरआई) कुछ प्रमुख भारतीय पैरासाइटोलॉजिस्ट्स भी इस कार्यक्रम का हिस्सा करेंगे.

तीन एडिशनल डीन एकेडमिक बने

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने तीन शिक्षकों को एडिशनल डीन एकेडमिक सेल की जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें काम कम्युनिकेशन विभाग के प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव, मैथमेटिक्स एंड एस्ट्रोनामी विभाग की डा. अल्का मिश्रा और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डा. निमिशा कपूर का नाम शामिल है। (जासं)

विद्यार्थी पूछते गए... उत्तर देते गए वरिष्ठ चित्रकार

दीवार पर चित्रकारी करते छात्र • जागरण

कार्यक्रम में स्वाती को प्रोत्साहित करने के लिए नुक्कड़ नाटक करते कलाकार • जागरण

जासं, लखनऊ : चित्रकारी करते समय क्या-क्या सवधानी बरतें, किन रंगों को मिलाकर कौन सा रंग बनाएं, चित्रों को किस तरह से रेखांकित करें? जैसे प्रश्न कई विद्यार्थियों के जेहन में थे। ये एक-एक कर सवाल पूछते और वरिष्ठ चित्रकार उनकी जिज्ञासा शांत करते। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन सेवानिवृत्त आचार्य व वरिष्ठ चित्रकार उमेश कुमार सक्सेना ने युवा चित्रकारों का हौसला बढ़ाया।

उमेश ने पहले चित्र प्रदर्शित किए। उन्होंने विद्यार्थियों को रेखा और

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का स्थापना दिवस

संयोजन पर विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया। भो. सुहैब अंसारी ने चित्रों के मूल स्वरूप और उसके प्रकृति के अध्ययन पर जोर दिया। अंसारी ने कैलीग्राफी की प्रदर्शित किया। इसके बाद डा. महेश सिंह ने कला पर व्याख्यान दिया। कोलज मेकिंग प्रतियोगिता में टेक्नो इंस्टीट्यूट, गोयल हायर स्टडीज व एसकेडी अकादमी के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। अतिथियों ने मोटरसाइकिल के अवशेषों को बनाने की कला को भी सराहा। विदेशी छात्र वेनुरा दिलशंका और मिनोथ मदुशंका के चित्रों की प्रशंसा की। श्रीलंका के छात्र संजु बब्बल लाल के व्यावसायिक कला के डिजाइन, तथा मनीष कुमार और पानिल कुमार के छाया चित्रों को सभी ने सराहा।

इससे पहले प्रायार्च डा. रतन कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया। एसकेडी डिग्री कालेज, कृष्ण दत्त अकादमी डिग्री कालेज कूदावन योजना के बैचलर आफ फाइन आर्ट्स के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भी कलकृतियों की प्रदर्शनी लगाई।

नुक्कड़ नाटक से खादी को अपनाने का संदेश: माधविद्यालय में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से नुक्कड़ नाटक के जरिये खादी के उत्पादों को प्रोत्साहित किया गया। हर्षित सिंह, विशाल, दीपक आदि कलाकारों ने महात्मा गांधी के जीवन वृत्त के साथ ही अंग्रेजों के खिलाफ असहयोग आंदोलन तक की यात्रा का जिक्र करते हुए खादी को अपनाने पर जोर दिया। राज्य निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग नितेश भवन ने बताया कि खादी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जगह-जगह नुक्कड़ नाटक किया जा रहा है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

समाज कार्य को विषय और व्यवसाय के रूप में स्थापित करना होगा

अमृत विचार, लखनऊ : समाज कार्य दिनोंदिन एक विषय के रूप में पहचान बना रहा है। भारतीय समाज को अधिक से अधिक संख्या में व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता चाहिए क्योंकि जैसे-जैसे देश आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सामाजिक समस्याएं बढ़ रही है। इनसे निपटने के लिए हमें समाज कार्य को एक विषय और व्यवसाय के रूप में स्थापित करना होगा। उक्त बात लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में गुजरात के आनंद स्थित एनएस पटेल डिग्री कॉलेज के समाज कार्य विभाग के छात्र एवं छात्राओं के परिसर में अकादमिक भ्रमण के दौरान समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष और पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कही।

समाज कार्य विषय के रूप में भारत में अपनी पहचान बना रहा है : प्रो. भारतीय

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। समाज कार्य दिनों-दिन एक विषय के रूप में भारत में अपनी पहचान बना रह

गुजरात के विद्यार्थियों ने लविवि का किया अकादमिक भ्रमण

है। भारतीय समाज को अधिक से अधिक संख्या में व्यावसायिक समाज कार्यकर्ता चाहिए क्योंकि जैसे-जैसे देश आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सामाजिक समस्याएं बढ़ रही है। जिनसे निपटने के लिए हमें समाज कार्य को एक विषय और व्यवसाय के रूप में स्थापित करना होगा। उक्त विचार लविवि के समाज कार्य विभाग में गुजरात के आनंद स्थित एनएस पटेल डिग्री कॉलेज के समाज कार्य विभाग के छात्र-छात्राओं के परिसर में अकादमिक भ्रमण के दौरान समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष और पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किये। उन्होंने आनन्द से आये हुए छात्र-छात्राओं से बातचीत करते समय बताया कि आनंद अभी तक अमूल के लिए जाना जाता है,लेकिन जल्दी ही वो अपने व्यावसायिक समाज कार्यकर्ताओं के लिए भी जाना जाएगा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर शोध करने के लिए विभाग में प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित शोध पीठ की सहायता लेने का आवाहन भी छात्रों से किया। छात्रों के साथ आये हुए उनके शिक्षक डॉ.अश्विन पटेल ने बताया कि अभी हम कुछ दिन लखनऊ में रहेंगे। इस दौरान हम यहां के ऐतिहासिक स्थानों का दौरा भी करेंगे। अकादमिक भ्रमण पर आये हुए छात्र-छात्राओं को लविवि के गौरवशाली इतिहास एवं समाज कार्य विभाग से सम्बंधित विडियो भी दिखाए गए। प्रो. राज कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं से लविवि की पढ़ाई-लिखाई और प्रशासन से सम्बंधित तमाम प्रश्न पूछे। उन्होंने सभी छात्रों की जिज्ञासा को बखूबी शांत किया। विद्यार्थियों ने परिसर भ्रमण के दौरान समाज कार्य विभाग, विभागीय पुस्तकालय, टैगोर पुस्तकालय के साथ कई स्थानों का दौरा किया और अंत में गौरव स्थल पर सेल्फी के साथ इसे समाप्त किया।

रेखा-संयोजन पर विशेष ध्यान दें छात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम में मौजूद लविवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं।

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में कला एवं शिल्प महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर छात्रों को रेखा और संयोजन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। साथ ही टाइप के मूल स्वरूप और उसके प्रकृति के अध्ययन पर जोर दिया गया।

लविवि में शनिवार को शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शैक्षणिक कार्यक्रम का शुरुआत उमेश कुमार सक्सेना के पेंटिंग प्रदर्शनी से हुआ। छात्र मो. सुहैब अंसारी ने कैलीग्राफी का प्रदर्शन किया। डॉ. महेश सिंह से छात्रों ने कला से संबंधित कई प्रश्न किए। इसके

● लविवि में हुआ शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन

बाद कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता में टेक्नो इंस्टीट्यूट, गोयल हायर स्टडीज और एसकेडी अकादमी के छात्रों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।

राहुल शाक्या के बनाए गए इन्स्टालेशन और फैजान की ओर से बनाए गए मोटर साइकिल के अवशेषों से निर्मित इन्स्टालेशन को पसंद किया गया। विदेशी छात्र वेनुरा दिलशंका और मिनोथ मदुशंका के चित्रों की भी सराहना हुई।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय स्थित कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस समारोह के तीन दिवसीय समारोह में शिक्षक छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए कई

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का 112वां स्थापना दिवस समारोह

शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय से अवकाश प्राप्त वरिष्ठ चित्रकार आचार्य उमेश कुमार सक्सेना एवं मोहम्मद सुहैब अंसारी तथा डॉ.महेश कुमार सिंह को माविद्यालय परिसर में आमंत्रित किया गया। जिनका संयुक्त स्वागत तथा अभिनन्दन यहां के प्राचार्य डॉ. रतन कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर किया। इन अतिथियों का सक्षिप्त परिचय छात्रों को देकर उनके योगदान के बारे में छात्रों को अवगत कराया। शैक्षणिक कार्यक्रम का शुभारम्भ उमेश कुमार सक्सेना के पेंटिंग डिमान्स्ट्रेशन से हुआ। इसके बाद छत्र सुहैब अंसारी के कैलीग्राफी डिमान्स्ट्रेशन से लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का तीसरा और अंतिम आकर्षण डॉ.महेश सिंह का कला पर व्याख्यान था जो इन उभरते कलाकारों के लिए काफी प्रोत्साहपूर्ण तथा लाभप्रद रहा। छात्रों ने कला से सम्बन्धित कई प्रश्न इन वरिष्ठ कलाकारों से पूछा तथा सन्तोषजनक उत्तर पाकर कृतार्थ हुए। पेन्टिंग डिमान्स्ट्रेशन के दौरान उमेश कुमार सक्सेना ने छात्रों को रेखा तथा संयोजन पर विशेष रूप से ध्यान देने का निर्देश दिया। तो वहीं, टाइपोग्राफी के डिमॉन्स्ट्रेशन में सुहैब अंसारी ने टाईप के मूल स्वरूप और उसके प्रकृति के अध्ययन पर जोर दिया। शुक्रवार से प्रारम्भ म्यूरल पेन्टिंग प्रतियोगिता शनिवार को भी जारी है। कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता में टेक्नो इन्स्टीट्यूट,गोयल हायर स्टडीज तथा एसकेडी अकादमी के छात्रों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण राहुल शाक्या (एमबीए),द्वितीय वर्ष तथा चतुर्थ वर्ष बीवीए द्वारा निर्मित इन्स्टालेशन तथा फैजान द्वारा निर्मित मोटर साइकिल के अवशेषों द्वारा निर्मित इन्स्टालेशन की सराहना किये। साथ ही विदेशी छात्र वेनुरा दिलशंका और मिनोथ मदुशंका के चित्रों की बहुत प्रशंसा की। श्रीलंका के छात्र संजु बब्बुल लाल के व्यवसायिक कला के वजाइन तथा मनीष कुमार और अनिल कुमार के छात्रा चित्रों को अत्यन्त सराहा। राहुल कुमार खोलनीकारक चतुर्थ का चित्र इनजार और समर अहमद की टेक्सटाइल डिजाइन सक्के आकर्षण का केन्द्र रहा। लिथोग्राफी एक अत्यन्त ही कठिन कला विधा है जिस पर प्रीती गुप्ता ने कार्य कर सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। डॉ.महेश सिंह ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका भरपूर मनोरंजन किया।

LOKSATYA PAGE 2

आर्ट्स कालेज का 112वां स्थापना दिवस समारोह

लखनऊ। ऐतिहासिक परंपरा कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय समारोह का आगाज हुआ। पहले दिन शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक राय, विशेष अतिथि रायबरेली विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन व मुख्य वक्ता कानपुर के प्रो. हरिओम ने किया। ललितकला अकादमी के चेयरमैन अशोक कुमार चड्ढा तथा रजनीगंधा की रतन कुमार व रविवंश पांडेय ने अधिकरन किया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने छात्रों से उनकी कृतियों में भरपूर रचनात्मकता का समावेश करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी कृतियां मूल कृति हो किसी का अनुकरण नहीं। लखनऊ के वरिष्ठ चित्रकार विरेन डुंगरवार ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए।